



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

स. 217]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 24, 1989/वैसाख 4, 1911

No. 217]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 24, 1989/VAISAKHA 4, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1989

या का. नि. 463 (अ) :- केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :- (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम साधारण सेवा विद्युत लैप (बवालिटो नियंत्रण) आदेश, 1989 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएं :- इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, :-

(क) "समुचित प्राधिकारी" से औद्योगिक विकास विभाग या नागरिक पूर्ति विभाग का कोई अधिकारी जो निदेशक की पंक्ति से नीचे का न हो या राज्य सरकार का उद्योग निवेशक या इस आदेश के उपबन्धों को कार्यान्वयन करने के लिए केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों या भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा नियुक्त समतुल्य पंक्ति का कोई अन्य अधिकारी अभिप्रेत है,

(ख) "ब्यूरो" से भारतीय मानक ब्यूरो अभिप्रेत है,

(ग) साधारण सेवा विद्युत लैप के संबंध में "व्यवहारी" से अभिप्रेत है, वह व्यक्ति, फर्म या हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब जो प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष, किसी ऐसे लैप का क्रय करने, उसका विक्रय करने, प्रदाय करने या वितरण करने का कार-बार, चाहे वह नकद या आस्थगित संदाय के लिए हो या कर्मगत, पारिश्रमिक या अन्य मूल्यवान प्रतिकल के लिए हो, चलाता है,

(घ) "साधारण सेवा विद्युत लैप" से 100 वाट तक का टग-स्टन फ्लामेंट साधारण सेवा विद्युत लैप अभिप्रेत है जिसमें विद्युत करंट के गुजरने से चमक द्वारा गरम की गई बाड़ी से प्रकाश उत्पन्न होता है और जो साधारण प्रकाश के प्रयोजन के प्रयोग के लिए आशयित है,

(ङ) साधारण सेवा विद्युत लैप के संबंध में "विनिर्माता" से अभिप्रेत है वह व्यक्ति, फर्म या हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब जो, ऐसे किसी लैप का उत्पादन करता है, बनाता है, समंजन करता है या विनिर्माण करता है और उसके अन्तर्गत ऐसा व्यक्ति या फर्म या हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब भी है जो, यथा-स्थिति, ऐसे व्यक्ति या फर्म या हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब द्वारा ऐसे लैपों का उत्पादन करने, बनाने, समंजन करने या निर्माण करने का वादा करता है,

(क) “विनिर्दिष्ट मानक” से निम्नलिखित अभिप्रेत है :—

भारतीय मानक/चिनिर्देश

आईएस.सं.

शीर्ष

आईएस: 418: 1978

साधारण सेवा विद्युत लैप के
“लिफ्ट विनिर्देश (टंगस्टन फिला-
मेंट साधारण सेवा विद्युत लैप)

(छ) “मानक चिह्न” से ऊपर पैरा 2 के खण्ड (क) में यथा उल्लिखित किसी विशिष्ट भारतीय मानक को ध्याविष्ट करने के लिए व्यूरो द्वारा विनिर्दिष्ट भारतीय मानक व्यूरो प्रमाणन चिह्न अभिप्रेत है,

(ज) “राज्य सरकार” के अन्तर्गत संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन भी है।

3. पैरा 2 (च) में विनिर्दिष्ट साधारण सेवा विद्युत लैपों के विनिर्माण, विक्रय, आदि के संबंध में प्रतिबंध :—(1) कोई व्यक्ति स्वयं या उसकी ओर से कोई अन्य व्यक्ति ऐसे साधारण सेवा विद्युत लैप का विनिर्माण या विक्रय के लिए भंडार, विक्रय या वितरण नहीं करेगा जो विनिर्दिष्ट मानक के अनुरूप नहीं है और यह व्यूरो के मानक चिह्न के अनुरूप होगा। परन्तु इस आदेश को कोई बात किसी ऐसे साधारण सेवा विद्युत लैपों के निर्यात के संबंध में लागू नहीं होगी जो विनिर्दिष्ट मानक के अनुरूप नहीं है किन्तु विदेशी क्रेता द्वारा अपेक्षित किसी विनिर्देश के अनुरूप है और ऐसा क्रेता विनिर्देश किसी भी वशा में विनिर्दिष्ट मानक से कम नहीं होगा।

(2) ऐसे अधोमानक या झूटि पूर्व साधारण सेवा, विद्युत लैपों या कच्ची सामग्री या मंचटक को, जो विनिर्दिष्ट मानक के अनुरूप नहीं है, उपयोग से परे बहिष्कृत कर दिया जाएगा और उनका स्वैय के रूप में निपटान कर दिया जाएगा।

4. विनिर्माताओं का प्रमाणीकरण :—(1) पैरा 2 के खण्ड (क) में दक्षित साधारण सेवा विद्युत लैपों के सभी विनिर्माता, इस आदेश के जारी होने के 45 दिन के भीतर व्यूरो को, मानक चिह्न का उपयोग करने के लिए अनुज्ञप्ति प्राप्त करने हेतु आवेदन करेगा।

(2) मानक चिह्न के उपयोग के लिए व्यूरो द्वारा अनुज्ञप्ति को मंजूरी, भारतीय मानक व्यूरो अधिनियम, 1986 और उसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों के उपबन्धों के अनुसार होगी।

(3) जहां कोई व्यक्ति स्वयं या उसकी ओर से कोई अन्य व्यक्ति पैरा 2 के खण्ड (च) में दक्षित साधारण सेवा विद्युत लैपों के विनिर्माण करने का प्रस्ताव करता है, वहां वह मानक चिह्न के प्रयोग के लिए पहले व्यूरो से विधिमाम्य अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त किए बिना उत्पादन प्रारंभ नहीं करेगा।

(4) पैरा 2 के खण्ड (क) में दक्षित साधारण सेवा विद्युत लैपों के लिए, किसी अनुज्ञप्ति की समाप्ति/रद्दकरण पर, व्यूरो से मित्र अन्य समुचित अधिकारी को भी सूचित किया जाएगा।

5. भंडारकरण, विक्रय और वितरण का प्रतिबंध :—कोई भी व्यक्ति स्वयं या उसकी ओर से कार्य करते हुए कोई अन्य व्यक्ति ऊपर पैरा 2 के खण्ड (च) में दक्षित किसी ऐसे साधारण सेवा विद्युत लैप का विक्रय के लिए भंडार, विक्रय या वितरण नहीं करेगा जिस पर व्यूरो का मानक चिह्न नहीं लगा है और जिसका किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा विनिर्माण नहीं किया गया है जिसने इस प्रयोजन के लिए कोई प्रमाणन चिह्न अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त कर ली है।

6. जानकारी, आवेदन मांगने की शक्ति :—समुचित प्राधिकारी इस आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने को दृष्टि से :—

(क) किसी साधारण सेवा विद्युत लैप के विनिर्माण करने, विक्रय के लिए भंडार करने, विक्रय या वितरण में लगे किसी व्यक्ति से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह उसे ऐसा जानकारी दे जैसा वह किसी साधारण सेवा विद्युत लैप के विनिर्माण करने, विक्रय के लिए भंडार करने, विक्रय या वितरण के संबंध में आवश्यक समझे या जैसा वह इस आदेश के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक समझे या किसी व्यक्ति से किसी विद्युत लैप के नमूने या किसी विद्युत लैप के संघटक देने की अपेक्षा कर सकेगा,

(ख) किसी साधारण सेवा विद्युत लैप के विनिर्माण करने, विक्रय के लिए भंडार करने, विक्रय या वितरण में लगे किसी व्यक्ति द्वारा रखी गई या उसकी या उसके कब्जे या नियंत्रण के अधीन की किन्हीं पुस्तकों या अन्य दस्तावेजों या किसी साधारण सेवा विद्युत लैप या ऐसे किसी लैप के संघटकों का निरीक्षण कर सकेगा या करवा सकेगा,

(ग) पैरा (8) के अधीन प्राधिकृत किसी अधिकारी से किसी परिमर में प्रवेश और तलाशी करवा सकेगा और किसी साधारण सेवा विद्युत लैप का, जिसके बारे में उनके पास विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश का उल्लंघन हुआ है या उक्त साधारण सेवा विद्युत लैप विनिर्दिष्ट मानक का नहीं है, अभिग्रहण कर सकेगा,

(घ) तलाशी और अभिग्रहण में संबंधित दण्ड प्रक्रिया मंत्रिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 100 के उपबंध, जहां तक संभव हो, इस खंड के अधीन तलाशी और अभिग्रहण को लागू होंगे।

7. नमूनों का परीक्षण :—किसी ऐसे साधारण सेवा विद्युत लैप के नमूने का, यह अभिविनिश्चित करने के लिए कि जिस पर मानक चिह्न लगा है और समुचित प्राधिकारी द्वारा निकासी गया है वह विनिर्दिष्ट मानक का है या नहीं, व्यूरो द्वारा अनुमोदित प्रयोगशाला में और व्यूरो द्वारा यथाव्यवहारित रीति में परीक्षण किया जाएगा।

8. शक्तियों का प्रत्यायोजन :—समुचित प्राधिकारी, लिखित रूप में किसी साधारण या विशेष आदेश द्वारा, इस आदेश के अधीन अपने निमित्त अपने सभी या किन्हीं कृत्यों का प्रयोग करके के लिए किसी अधिकारी को प्राधिकृत कर सकेगा: परन्तु कोई भी ऐसा अधिकारी जो राजपत्रित पक्षि का नहीं है और व्यूरो की वशा में जो राजपत्रित अधिकारी की पक्षि के समतुल्य नहीं है, पैरा 6 के खंड (ग) के अधीन तलाशी और अभिग्रहण की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए समुचित प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत किया जाएगा।

9. विनिर्माताओं और व्यवहारियों को निदेश जारी करने की शक्ति :—समुचित प्राधिकारी, विनिर्माताओं और व्यवहारियों को, इस आदेश के उपबंधों से संगत ऐसे निदेश जारी कर सकेगा जो इस आदेश के प्रयोजनों को पूरा करने के लिए आवश्यक है।

10. निदेशों का अनुपालन :—किसी साधारण सेवा विद्युत लैप के विनिर्माण, विक्रय के लिए भंडार करने, विक्रय या वितरण में लगे हुआ प्रत्येक व्यक्ति, जिसे इस आदेश के अधीन कोई निदेश जारी किया जाता है, ऐसे निदेश का पालन करेगा।

11. सूचना देने की बाध्यता :—कोई भी विनिर्माता या व्यवहारी, इस आदेश के उपबंधों से बचने के आशय से, पैरा 6 के अधीन उससे विधिपूर्वक मांगी गई सूचना देने से इंकार नहीं करेगा या ऐसे व्यक्ति द्वारा रखे गये या ऐसे व्यक्ति के कब्जे या नियंत्रण में किसी बड़ी या दस्तावेज पैरा 2 के खण्ड (च) में दक्षित किसी साधारण सेवा

विद्युत लैंप को न छिटाया, न नष्ट करेगा, न विद्युत करेगा और न बिक्री करेगा।

12. शक्ति :- कोई भी व्यक्ति, जो इस आदेश के किन्हीं अनुबन्धों का उल्लंघन करेगा, या उनके अधिन किन्हीं किमी निवेश या अध्यापना को पूरा करने में असफल रहेगा, वह दंडनीय होगा और उस संघीय का, जिसको वास्तव में आदेश का उल्लंघन हुआ है, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) का धारा 2 के अधिन समग्रण किया जा सकेगा।

13. शक्ति :- (1) अनुबन्ध प्राधिकारों के किमी विनिश्चय से व्यक्ति कोई विनिर्माण या व्यवहार, ऐसे विनिश्चय का अनुबन्धन देने वाले आदेश का प्राप्ति का तारीख से 30 दिन के भीतर केन्द्रिय सरकार को लिखित रूप में अर्पण कर सकेगा :-

परन्तु केन्द्रिय सरकार, पूर्वोक्त अधिध को समाप्ति के पश्चात् भी, कोई अपाल स्वीकार कर सकेगा यदि उनका यह समाधान हो जाता है कि समय के भीतर अर्पण काक्षण करने में अवलोक्यी पर्वति कारणों से निवारित हो गया था।

(2) अनुबन्ध (1) के अधिन अपाल का प्राप्ति पर, केन्द्रिय सरकार, अवलोक्यी को नूतनार्थ का अधिध देने के पश्चात्, ऐसा आदेश पर्वति कर सकेगी जैसा वह ठीक समझता है।

14. निरन्तर और व्याप्ति :- साधारण सेवा विद्युत लैंप (क्वालिटी नियंत्रण) आदेश, 1986 को, निम्नानुसार उन बातों के, जिन्हें ऐसे निरन्तर से पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, निरसित किया जाता है।

[फा. म. 4 (29)/84--वि. उद्योग -- 8]
एल. मानसिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th April, 1989

G.S.R. 463(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) the Central Government hereby makes the following Order, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) This Order may be called the General Service Electric Lamps (Quality Control) Order, 1989.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires :

(a) 'Appropriate Authority' means any officer not below the rank of Director in the Department of Industrial Development or Civil Supplies or Director, Industries of the State Government or any other officer of equivalent rank appointed by the Central or the State Governments or by the Bureau of Indian Standards to implement the provisions of this Order ;

(b) 'Bureau' means Bureau of Indian Standards ;

(c) 'Dealer' in relation to General Service Electric Lamps means a person who or a

firm or a Hindu undivided family which, carries on, directly or otherwise, the business of buying, selling, supplying or distributing any such lamps, whether in cash or for deferred payment or for commission, remuneration or other valuable consideration ;

(d) 'General Service Electric Lamps' means a tungsten filament general service electric lamps upto 100 watts in which light is produced by means of body heated to incandescence by the passage of electric current and intended for use for general lighting purposes ;

(e) 'Manufacture' in relation to general service electric lamps means a person so, or a firm or a Hindu undivided family which, produces, makes, assembles or manufactures any such lamps and includes a person who or a firm or a Hindu undivided family which claims such lamps to be produced, made, assembled or manufactured by such person or firm or Hindu undivided family, as the case may be ;

(f) 'specified standard' means the following :

Indian standard/specification :

IS No.

TITLE

Is: 418:1978 Specification for General Service Electric Lamps (Tungsten Filament General Service Electric Lamps)

(g) 'Standard Mark' means the Bureau of Indian Standards Certification Mark specified by the Bureau to represent a particular Indian Standard as stated in clause (f) of paragraph 2 above.

(h) 'State Government' includes a Union Territory Administration.

3. Prohibition regarding manufacture, sale etc. of general service electric lamps specified in paragraph 2(f).—(i) No person shall be himself or by any person on his behalf manufacture or store for sale, sell or distribute any general service electric lamp which does not conform to the specified standard and it shall bear the Standard Mark of the Bureau. Provided that nothing in this Order shall apply in relation to export of general service electric lamps which do not conform to the specified standard but conform to any specification required by the foreign buyer and such buyers' specification shall not in any case be less than the specified standard.

(2) The sub-standard or defective general service electric lamps or raw-material or components which do not conform to the specified standard shall be deformed beyond use and disposed of as scrap.

4. **Certification of manufacturers.**—(1) All manufacturers of general service electric lamps shown in clause (1) of paragraph 2, shall make an application to the bureau for obtaining licence for use of the standard mark, within 45 days of the issue of this Order.

(2) The grant of licences by the Bureau for use of the Standard Mark shall be as per provisions under the Bureau of Indian Standards Act, 1986, and the Rules and Regulations framed, thereunder.

(3) When any person himself or by any person on his behalf on his behalf proposes to manufacture general service electric lamps shown in clause (f) of paragraph 2, he shall not commence production without first obtaining a valid licence from the Bureau for use of the Standard Mark.

(4) Consequent to the lapsing/cancellation of any licence by the Bureau for general service electric lamps shown in clause (f) of paragraph 2, other Appropriate Authorities other than the Bureau shall also be informed.

5. **Prohibition of storage, sale and distribution.**—No person shall himself or by any person acting on his behalf store for sale, sales or distribute any general service electric lamp shown in clause (f) of paragraph 2 above which does not bear the Standard Mark of the Bureau and manufactured by a person who has obtained a Certification Mark Licence for the purpose.

6. **Power to call for information etc.**—The appropriate Authority may with a view to securing compliance with this Order :

- (a) require any person engaged in the manufacture, storage for sale, sales or distribution of any general service electric lamp to give such information as it deems necessary in relation to the manufacture, storage for sale, sale or distribution of any general service electric lamp for the implementation of this order or require any such person to furnish to it samples of any electric lamp or any component of any electric lamp.
- (b) inspect or cause to be inspected any books or other documents or any general service electric lamp or the components of any such lamps kept by or belonging to or in the possession or under the control of any person engaged in the manufacture, storage for sale, sale or distribution of any general service electric lamps.
- (c) cause an officer authorised under paragraph (8) to enter and search any premises and seize any general service electric lamp in respect of which it has reason to believe that contravention of this Order has been committed or the said general service electric lamp is not of the specified standard.
- (d) the provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall so far as, may be, applied to searches and seizure under this clause.

7. **Testing of samples.**—Samples of any general service electric lamp bearing the Standard Mark and drawn by the Appropriate Authority, for establishing whether it is of the specified standard, shall be tested in the laboratory approved by the Bureau and in the manner as determined by the Bureau.

8. **Delegation of powers.**—The Appropriate Authority may general or special order in writing authorise any officer to exercise on its behalf all or any of its functions under this order provided that no officer who is not a Gazetted rank, and in the case of Bureau who is not of rank equivalent to gazetted officer, shall be authorised by the Appropriate Authority to exercise the powers of search and seizure under clause (c) of paragraph 6.

9. **Power to issue direction to manufacturers and dealers.**—The appropriate Authority may issue such directions to manufacturers and dealers, consistent with the provisions of this Order, as may be necessary in carrying out the purpose of this Order.

10. **Compliance of directions.**—Every person engaged in the manufacture, storage for sale, sale or distribution of any general service electric lamps, to whom any direction is issued under this Order, shall comply with such direction.

11. **Obligation to furnish information.**—No manufacturer or dealer shall with intent to evade the provisions of this Order, refuse to give any information lawfully demanded from him under paragraph 6 or conceal, destroy, mutilate or deface any books or documents or any general service electric lamp shown in clause (f) of paragraph 2 kept by such person or in the possession or control of such person.

12. **Penalty.**—Any person who contravenes any of the provisions of this order or fails to carry out any direction or requisition made thereunder shall be punishable and the property in respect of which the order has been contravened, shall be liable to forfeiture under section 7 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955).

13. **Appeal.**—(1) Any manufacturer or dealer aggrieved by any decision of the appropriate Authority may prefer an appeal in writing to the Central Government, within 30 days from the date of receipt by him of the copy of the order communicating such decision :

Provided that the Central Government may admit any appeal after the expiry of the period aforesaid if it is satisfied that the appellant was prevented by sufficient cause from filing the appeal in time.

- (2) On receipt of the appeal under sub-clause (1) the Central Government may, after giving the appellant an opportunity of being heard, pass such order as may deem fit.

14. **Repeal and Saving.**—The General Service Electric Lamps (Quality Control) Order 1986, is hereby repealed, except in respect of things done or omitted to be done thereunder before such repeal.

[F. No. 4(29)/84-El. Ind V. III]

L. MANSINGH, Jt. Secy.